संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ● लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ● हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 15, अंक : 281 पृष्ठ : 04, पानीपत, गुरुवार 21 नवंबर 2024, मूल्य : 2 रूपये RNI No.- HARHIN/2011/40057

झारखंड 67.59% और महाराष्ट्र में 58.25% मतदान

दोनों राज्यो मे शांतिपूर्ण तरीके से हुआ मतदान, 4 राज्यों की 15 विधानसभा और नांदेड़ लोकसभा सीट पर बुधवार को उपचुनाव की वोटिंग खत्म

23 नवंबर को रिजल्ट आएगा

एजेंसी

रांची/मुंबई » झारखंड विधानसभा की 38 और महाराष्ट्र की 288 सीटों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार शाम मतदान शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया तथा इस दौरान क्रमश» 67.59 और 58.25 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने यहां बताया कि 38 विधानसभा क्षेत्र में आज सुबह 7:00 बजे से मतदान शुरू हुआ और पांच बजे शाम समाप्त हो गया और इस दौरान 67.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इन क्षेत्रों के 31 मतदान केंद्रों पर शाम 4 : 00 बजे शाम ही मतदान समाप्त हुआ था जबकि शेष मतदान केंद्रों पर पांच बजे शाम मतदान समाप्त हुआ।

दूसरे चरण के चुनाव में कुल 528 उम्मीदवार की किस्मत ईवीएम में आज बंद हो गई। इसमें 472 पुरूष और 55 महिला उम्मीदवार हैं जबकि एक ट्रांसजेंडर उम्मीदवार है। जिन प्रमुख उम्मीदवारों की किस्मत आज ईवीएम में बंद हुई उनमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो, ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मंत्री रणधीर सिंह, भाकपा माले के विनोद कुमार सिंह, विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, पूर्व मंत्री स्टीफन मरांडी, भाजपा के लोबिन हेंब्रम, भाजपा के अनंत कुमार ओझा, कांग्रेस के जेपी भाई पटेल और जेएलकेएम के जय राम महतो शामिल हैं।राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो , सांसद निशीकांत दूबे समेत अन्य नेताओं ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मताधिकार का प्रयोग किया।

उधर, महाराष्ट्र की 288 विधानसभा क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया, जो शाम छह बजे तक चला। इस दौरान 58.25 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्य में गढचिरौली में सबसे अधिक 69.63 प्रतिशत और मुंबई सिटी में सबसे कम 49.07 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि राज्य के कुछ मतदान केन्द्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में खराबी आने पर मतदान प्रकिया बाधित हुई और मतदान केन्द्र के बाहर मतदाताओं को लम्बी कतार में अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखा गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 4136 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला आज इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद हो गया। राज्य के पांच करोड़ से अधिक पुरुष, 4.68 करोड़ से अधिक महिला और 6101 ट्रांसजेंडर सहित 9.70 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार की किस्मत ईवीएम में बंद कर दी। मतदान के लिए कुल 1,00,427 केंद्र बनाये गये थे। मतदान केंद्रों पर 1,64,996 बैलेट यूनिट, 1,19,439 कंट्रोल यूनिट और 128531 वीवीपैट मशीनें लगी हुई थी। विधानसभा की सभी सीटों पर महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच सीधा मुकाबला रहा। वहीं वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए), बहुजन समाज पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन और अन्य छोटी पार्टियों ने भी दोनों मोर्चों के सामने चुनौती खड़ी की।

हिंसा की छिटपुट घटनाओं को छोड़कर आमतौर पर मतदान शांतिपूर्ण रहा। आयोग ने बताया कि राज्य में शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से मतदान कराने के लिए हरसंभव प्रयास किये गये थे। मतदान के दौरान नासिक जिले के नांदगांव निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार सुहास कांडे और निर्दलीय उम्मीदवार समीर भुजबल के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। निर्दलीय उम्मीदवार भुजबल ने आरोप लगाया कि श्री कांडे मतदान के दिन नांदगांव निर्वाचन क्षेत्र से गुजरते समय एक वाहन में सैकड़ों बाहरी लोगों को लेकर आ रहे थे।

यूपी उपचुनाव में हिंसा, पंजाब में आप-कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े

लखनऊ/चंडीगढ़ » यूपी के मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर सीट पर उपचुनाव की वोटिंग के दौरान भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस को जान बचाकर भागना पड़ा। बाद में ककरौली थाने के इंस्पेक्टर राजीव शर्मा ने भीड़ को खदेड़ने के लिए वहां मौजूद महिलाओं पर रिवॉल्वर तान दी और कहा- यहां से चली जाओ, नहीं तो गोली मार दूंगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया ङ्ग पर रिवॉल्वर ताने हुए इंस्पेक्टर का वीडियो शेयर करते हुए उन्हें निलंबित करने की मांग की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ये फुटेज जारी करके लिखा- इंस्पेक्टर रिवॉल्वर से धमकाकर वोटर्स को वोट डालने से रोक रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ये फुटेज जारी करके लिखा- इंस्पेक्टर रिवॉल्वर से धमकाकर वोटर्स को वोट डालने से रोक रहे हैं। यूपी के करहल में वोटिंग के बीच दलित युवती की हत्या : उत्तर प्रदेश में करहल, मीरापुर, ककरौली, सीसामऊ सीट, मुजफ्फरनगर में पुलिस से झड़पें हुईं। करहल में वोटिंग के बीच दलित युवती की हत्या कर दी गई। पिता ने आरोप लगाया कि सपा को वोट देने से मना करने पर युवक ने बेटी को मार डाला। चुनाव आयोग ने सपा की शिकायत पर 7 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है।

आप कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प - पंजाब के डेरा बाबा नानक में कांग्रेस और,क्क समर्थकों में वोटिंग को लेकर झड़प हो गई। उन्हें शांत कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची। कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आरोप लगाया है कि पंजाब की आप सरकार गुंडागर्दी कर रही है।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
25.0°C	17.0°C

संक्षिप्त समाचार

मुर्मु आज से रहेंगी दो दिवसीय तेलंगाना के दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली » राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार से दो दिवसीय तेलंगाना का दौरा करेंगी और यहां कई कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, श्रीमती मुर्मु 21 नवम्बर (कल) को हैदराबाद में कोटि दीपोत्सवम-2024 में शामिल होंगी और 22 नवंबर (शुक्रवार) को हैदराबाद में लोकमंथन-2024 में उद्घाटन भाषण देंगी। लोक मंथन देश की सांस्कृतिक विविधता का एक वार्षिक उत्सव है और इस बार यह हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में 21-24 नवम्बर तक आयोजित किया गया है। इसका औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार को करेंगी।

घर की छतों पर सोलर पैनल लगाना हुआ आसान : आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली » दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को दिल्ली सोलर पोर्टल को लांच करते हुए कहा कि लोगों को अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाना आसान हो गया है। सुश्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली में रहने वाला कोई भी व्यक्ति यदि अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना चाहता है, उसके लिए दिल्ली सोलर पोर्टल एक सिंगल विंडो सॉल्यूशन है, जिसपर सोलर पैनल लगवाने के लिए जरूरी सारी जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने साझा किया कि लोग दिल्ली सोलर पोर्टल पर जाकर सभी जानकारी हासिल कर सकते है। पोर्टल पर इम्पेनल्ड वेंडरों और पैनल लगाने में आने वाले खर्च के विषय में भी जानकारी ले सकेंगे और घर बैठे ही सोलर पैनल लगवा सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बंगाल की दिया मुखर्जी ने फैब्रिक पेंटिंग से लोगों को आकर्षित किया

एजेंसी

नई दिल्ली » राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में चल रहा 43वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला युवा-युवतियों को अपने उद्यमशीलता प्रदर्शित करने का मंच दे रहा है। इसी तरह के युवाओं में पश्चिम बंगाल की आर्टिस्ट दिया मुखर्जी भी हैं, जो शौकिया तौर पर चित्रकार हैं और अपनी कला को फैब्रिक पर पेंट करती हैं। भारत मंडपम के हॉल नंबर 10 के एक स्टाल पर अपनी पेंटिग की पृष्ठभूमि में तुलिकाओं और रंग के साथ एक टीशर्ट पर राधा कृष्ण का चित्र बनाते हुये दिया ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा, 'मैंने सरकारी या निजी क्षेत्र में नौकरी की उम्मीद रखने की बजाए अपने शौक को चुना है और अब अपने हुनर को दुनिया के सामने लाकर खासकर अपनी उम्र के युवाओं को अपनी कलात्मक शौक को अभिव्यक्ति देने के रास्ते को चुनने के लिये जागरूक कर रही हूं।'

दिया ने बातचीत में कहा, 'मुझे शुरू से ही पेंटिंग करने का शौक था लेकिन फिर भी मैंने साइंस में पढ़ाई पूरी की और एक निजी कंपनी में नौकरी की। बाद में, नौकरी से मन ऊबने लगा तब मुझे लगा नौकरी करना मेरे बस में नहीं है, मेरा शौक और पेशा कला है और इस क्षेत्र में ही कुछ अलग करना है। इसलिये मैंने अपने सीनियर से पेंटिंग करने का प्रशिक्षण लिया।'दिया मुखर्जी टीशर्ट, कुर्ते और परिधानों के अलावा ज्वैलरी पर हैंड पेंटिंग करती हैं और यह उनका रोजगार बन चुका है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने शौक को हुनर में बदलकर, अपने साथ-साथ दूसरों की भी मदद कर सकता है और कोई भी कलाकार हर वर्ग के व्यक्ति को अपने शौक को हुनर में बदलने के लिये प्रेरित कर सकता है।

गुयाना और बारबाडोस मोदी को अपने देश का शीर्ष नागरिक सम्मान प्रदान करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली » गुयाना और बारबाडोस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश का शीर्ष नागरिक सम्मान प्रदान करेंगे और इस तरह श्री मोदी को मिलने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 19 हो गयी है ।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक गुयाना श्री मोदी को अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान करेगा। इसके साथ ही बारबाडोस उन्हें प्रतिष्ठित मानद 'ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस' से सम्मानित करेगा। इससे पहले हाल में डोमिनिका ने भी श्री मोदी को अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार- 'डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर' की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री के गुयाना पहुंचने पर अभूतपूर्व स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए स्वयं राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली, प्रधानमंत्री मार्क एंथोनी फिलिप्स, वरिष्ठ मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री मोदी ने उनका आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि इस यात्रा से दोनों देशों देशों के बीच मित्रता और गहरी होगी।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी नेपाल की यात्रा पर रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली » थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी बुधवार को नेपाल की यात्रा पर रवाना हुए, जो भारत और नेपाल के बीच घनिष्ठ रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रालय के बयान में कहा कि वह 20 से 24 नवंबर तक अपनी नेपाल की यात्रा के दौरान, जनरल द्विवेदी नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव के साथ बातचीत करेंगे और उसके बाद वह रक्षा मंत्रालय के शशि भवन में नेपाली थल सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल के साथ अनौपचारिक चर्चा करेंगे। जनरल द्विवेदी को 21 नवंबर को नेपाली सेना मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद नेपाली सेना के सीओएएस के साथ उनकी बातचीत होगी।जनरल द्विवेदी को दोनों देशों के सामान्य हित के मुद्दों पर नेपाली सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) द्वारा भी जानकारी प्रदान की जाएगी। बाद में, वह राष्ट्रपति भवन, शीतल निवास में अलंकरण समारोह में शामिल होंगे, जिसमें भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच अनूठी परंपरा के अनुसार, उन्हें नेपाल के माननीय राष्ट्रपति द्वारा नेपाली सेना के जनरल के मानद रैंक से सम्मानित किया जाएगा।वह नेपाल के राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे और भारत और नेपाल के बीच रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देने वाले विषय पर बातचीत करेंगे। शाम को वह नेपाली सेना प्रमुख द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगे।

भारतीय सेनाध्यक्ष 22 नवंबर को शिवपुरी में नेपाली सेना कमान एवं स्टाफ कोर्स के छात्रों को संबोधित करेंगे। दिन में जनरल द्विवेदी नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और रक्षा मंत्री मनबीर राय से मुलाकात करेंगे और परस्पर हितों के मुद्दों पर बातचीत करेंगे। जनरल द्विवेदी 23 नवंबर को पोखरा में पूर्व सैनिक रैली में हिस्सा लेंगे, जिसमें वह वीर नारियों और वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे। रैली के दौरान, वह भारतीय सेना के दिग्गजों के साथ भी बातचीत करेंगे, जो नेपाल में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। सेना प्रमुख पश्चिमी डिवीजन मुख्यालय, नेपाली सेना का दौरा करेंगे और उन्हें जनरल ऑफिसर कमांडिंग, पश्चिमी डिवीजन, नेपाली सेना की उपस्थिति में जानकारी प्रदान की जाएगी। शाम को सेना प्रमुख काठमांडू में गणमान्य व्यक्तियों के लिए भोज का आयोजन करेंगे।

तेलंगाना में जाति जनगणना का काम 70 फीसदी पूरा : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली » कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के लिए जाति जनगणना को जरूरी बताते हुए बुधवार को कहा कि तेलंगाना सरकार ने जाति जनगणना का 70 फ़ीसदी काम पूरा कर लिया है और जल्द ही इस काम को पूरा कर लिया जाएगा। श्री गांधी ने कहा,'तेलंगाना में हमारी सरकार ने जातिगत गिनती का 70 प्रतिशत से ज़्यादा काम पूरा कर लिया है। जल्द ही पूरे राज्य का विस्तृत डेटा सरकार के पास होगा, जिसका इस्तेमाल हम नीतियां बनाने और सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए करेंगे।' उन्होंने कहा,'जाति जनगणना उन सभी महत्वपूर्ण कदमों में से पहला कदम है जो अगले कुछ दशकों में संपूर्ण विकास के लिए योजना बनाने में मदद करेगा। यही कारण है कि मैं बार-बार देश में एक व्यापक जातिगत जनगणना करवाने की मांग कर रहा हूं। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने रास्ता दिखाया है, राष्ट्रीय स्तर पर भी हम एक व्यापक जातिगत जनगणना करवा कर रहेंगे।'

यूपी के सोलर पावर मॉडल को अपनाएंगे अन्य राज्य

पब्लिक एशिया ब्यूरो

लखनऊ » मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में उन्नति की कहानी से पूरा देश रूबरू होगा। केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित की जा रही रीजनल कॉन्फ्रेंस ऑन गुड गवर्नेंस में यूपी में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल का डंका बजेगा। कॉन्फ्रेंस में देशभर से आए आईएएस अफसर जानेंगे कि किसी तरह से उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर का इस्तेमाल कर परियोजना की लागत को कम कर रहा है। साथ ही साथ कॉर्बन उत्सर्जन कम करके पर्यावरण को भी सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। 21 नवंबर से शुरू होने वाली दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के तौर पर पहले सत्र में नमामि गंगे विभाग के अपर मुख्य सचिव जल जीवन मिशन में सोलर पावर के इस्तेमाल पर व्याख्यान देंगे। इसमें दूसरे राज्यों के अफसरों को बताया जाएगा कि किस तरह से यूपी जैसे बड़े राज्य में जल जीवन मिशन को सफलता से लागू किया गया और ये परियोजनाएं लंबे समय तक कम कीमत पर चल सकें, इसके लिए सोलर पावर का इस्तेमाल किया गया।

सोलर तकनीक से पानी निकालने के लिए बिजली का खर्च 50 प्रतिशत से भी होगा कम

सोलर तकनीक के इस्तेमाल से गांवों में की जाने वाली जलापूर्ति की लागत में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। लो मेंटेनेंस के साथ-साथ इन सौर ऊर्जा संयंत्रों की आयु 30 साल होती है। 30 साल के दौरान इन परियोजनाओं का संचालन सौर ऊर्जा के जरिए होने से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे करीब 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड का इमिशन प्रतिवर्ष कम होगा।

भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की इस योजना को चुना गया है। ये कॉन्फ्रेंस देशभर के टॉप आईएएस अफसरों के लिए आयोजित की जाती है, जिसमें देशभर में चलाई जाने वाली योजनाओं में हुए उत्कृष्ट कार्यों को शामिल किया जाता है।

योगी के निर्देशन में 80 फीसदी से अधिक परियोजनाएं सोलर पर आधारित

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर आधारित हैं। जल जीवन मिशन परियोजना में इतने बड़े पैमाने पर सोलर पावर का इस्तेमाल करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। भारत सरकार की तरफ से आयोजित की जा रही इस कॉन्फ्रेंस का मकसद है कि देश के दूसरे राज्य भी इसी तरह का मॉडल अपनाएं। जिससे बिजली की बचत हो सके और परियोजनाएं लंबे समय तक चल सकें। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत यूपी में कुल 41539 परियोजनाएं हैं। जिसमें से 33,157 जल जीवन मिशन के प्रोजेक्ट्स में सोलर एनर्जी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे रोजाना 900 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

12.50 लाख लोगों को सोलर प्रोजेक्ट चलाने की दी गई ट्रेनिंग : जल जीवन मिशन में सोलर आधारित पंपों को चलाने के लिए ग्रामीण इलाकों में 12.50 लाख लोगों को ट्रेनिंग दी गई है। ट्रेनिंग पाने वाले ग्रामीण ही इन परियोजनाओं का संचालन और सुरक्षा करेंगे।

जल जीवन मिशन

- » भारत सरकार द्वारा गुड गवर्नेंस थीम पर छत्तीसगढ़ में आयोजित कॉन्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के रूप में चुना गया यूपी
- » देश भर के आईएएस अफसरों को बताया जाएगा, कैसे 'योगी के यूपी' में जल परियोजनाओं में किया गया सोलर पावर का सफल इस्तेमाल
- » यूपी में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर हैं आधारित
- » छत्तीसगढ़ के रायपुर में भारत सरकार आयोजित कर रही है गुड गवर्नेंस पर देशभर के आईएएस अफसरों की कॉन्फ्रेंस

लेख

कृत्रिम बुद्धि का बढ़ता प्रभाव

नई तकनीकों का उपयोग करने वाले अभिनव उत्पाद और सेवाएं सौंदर्य और कल्याण क्षेत्र में हलचल मचाने लगी हैं। परिणामस्वरूप, पारंपरिक कौशल को मजबूत करने और आधुनिक तकनीकी कौशल जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ऐप विकास, ट्राई- ऑन सेवाओं के लिए संवर्धित वास्तविकता, डेटा एनालिटिक्स और उन्नत ग्राहक जुड़ाव रणनीतियों के साथ संयोजित करने की आवश्यकता है। एआई ने सौंदर्य और कल्याण क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, खासकर जब अनुकूलन और वैयक्तिकरण की मांग बढ़ी है। यह प्रवृत्ति विविध ग्राहक वरीयताओं, जीवन शैली, शरीर के प्रकार और आनुवंशिक कारकों को दर्शाती है। माइक्रोसाफ्ट टीमों के लिए मेवेलिन केएआई संचालित मेकअप फ़िल्टर के बारे में हाल ही में आई खबरों ने सौंदर्य क्षेत्र में एआई की भूमिका पर चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है। यह पता लगाना महत्वपूर्ण है। कि एआई किस तरह से उद्योग को बदल रहा है और नवीनतम विकास पर अपडेट रहना चाहिए। 2020 में एआई का उपयोग करने वाले वैश्विक सौंदर्य उद्योग का मूल्य 216.12 मिलियन था और 2027 तक 1.26 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। एक उद्योग रिपोर्ट बताती है कि 2021 से 2027 तक सौंदर्य क्षेत्र में एआई की वार्षिक वृद्धि दर 33.2 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

कई प्रयोगशालाओं ने एआई- संचालित त्वचा परामर्श उपकरण विकसित किए हैं जो त्वचा की उम्र बढ़ने का विश्लेषण करने के लिए संवर्धित वास्तविकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करते हैं। ये उपकरण उम्र बढ़ने के संकेतों की पहचान कर सकते हैं और त्वचा की मजबूती का आकलन कर सकते हैं, जिससे आगे की गिरावट को रोकने के लिए अनुरूप त्वचा देखभाल सिफारिशें मिल सकती हैं। उनके एल्गोरिदम 10,000 छवियों और 15 वर्षों की त्वचाविज्ञान विशेषज्ञता पर आधारित हैं। उपयोगकर्ता एक सेल्फी ले सकते हैं और अपनी त्वचा की स्थिति का अनुमान लगाने के लिए अपनी उम्र और त्वचा का प्रकार प्रदान कर सकते हैं और साथ ही एक व्यक्तिगत विश्लेषण भी प्राप्त कर सकते हैं। फिर उन्हें अनुकूलित त्वचा देखभाल नुस्खे प्राप्त होंगे। एआई त्वचा की स्थितियों का विश्लेषण करने, व्यक्तिगत त्वचा देखभाल और स्वास्थ्य दिनचर्या की सिफारिश करने और यहां तक कि रुझानों की भविष्यवाणी करने में सहायता करता है, जिससे अंततः उत्पाद विकास और ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि होती है। मुहांसे दुनिया भर में एक आम समस्या है, जो 80 प्रतिशत किशोरों और 40 प्रतिशत वयस्कों को प्रभावित करती है। एआई के साथ, विभिन्न जातीय त्वचा प्रकारों का प्रतिनिधित्व करने वाली 6,000 छवियों का एक डेटाबेस, मुहांसे से पीड़ित लोगों के लिए सटीक विश्लेषण और व्यक्तिगत नियमित अनुशंसाओं को सक्षम बनाता है। यह अभूतपूर्व एआई तकनीक वास्तविक त्वचा विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन की गई 10,000 प्रामाणिक छवियों की लाइब्रेरी से आकर्षित होती है, जो आठ नैदानिक मापदंडों और त्वचा के विभिन्न प्रकारों में लगभग 97 प्रतिशत की सटीकता दर प्राप्त करती है।

लगातार विकसित हो रहे सौंदर्य और कल्याण उद्योग में, जहां नवाचार आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है, एआई पहले से कहीं अधिक प्रभावी और व्यक्तिगत उत्पाद निर्माण बनाने में एक शक्तिशाली सहयोगी बन गया है। अपने विविध अनुप्रयोगों और क्षमताओं का लाभ उठाकर एआई एक क्रांति ला रहा है जो सौंदर्य और कल्याण उत्पादों के विकास, व्यक्तिगतकरण और विपणन के तरीके को बदल रहा है। ट्रेंड स्पॉटिंग से लेकर सटीक उत्पाद निर्माण तक, एआई सौंदर्य उद्योग को रोमांचक और अभूतपूर्व तरीकों से नया रूप दे रहा है। निर्माण प्रक्रिया में एआई को एकीकृत करने से उत्पाद की प्रभावशीलता भी सुनिश्चित हो सकती है। एआई एल्गोरिदम यह अनुकरण कर सकते हैं कि त्वचा द्वारा अवयवों को कैसे अवशोषित और चयापचय किया जाता है, संभावित अवांछित अंतः क्रियाओं या दुष्प्रभावों की पहचान करते हुए। यह दृष्टिकोण नए उत्पादों को बाजार में लाने से जुड़े जोखिमों को कम करता है और यह सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ता अपनी भलाई से समझौता किए बिना इष्टतम परिणाम करें। परंपरागत रूप से, स्किनकेयर उत्पादों को एक ही आकार- फिट- सभी दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है, जो अक्सर व्यक्तिगत उपभोक्ताओं की अनूठी जरूरतों को पूरा करने में विफल रहता है। एआई त्वचा के प्रकार, आयु, पर्यावरणीय कारकों और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं सहित विभिन्न डेटा बिंदुओं का विश्लेषण करके इस पद्धति को बदलता है। - संचालित उपकरणों का उपयोग करके, ब्रांड प्रत्येक ग्राहक की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित स्किनकेयर उत्पाद बना सकते हैं। उदाहरण के लिए एआई एल्गोरिदम फ़ोटो और प्रश्नावली के माध्यम से उपयोगकर्ता की त्वचा की स्थिति का आकलन कर सकते हैं, सक्रिय अवयवों की विशेष सांद्रता वाले उत्पादों की सिफारिश या निर्माण कर सकते हैं जो व्यक्तिगत त्वचा संबंधी चिंताओं को संबोधित करते हैं। इसके अतिरिक्त, एआई आणविक संरचनाओं का विश्लेषण करके यह अनुमान लगा सकता है कि नए यौगिक मानव त्वचा के साथ कैसे बातचीत करेंगे, जिससे पारंपरिक परीक्षण और त्रुटि विधियों के समय और लागत में काफी कमी आएगी। एआई सिस्टम प्रत्येक व्यक्ति की जरूरतों के अनुरूप उपयुक्त सामग्री, उत्पाद और स्किनकेयर रूटीन की सिफारिश करता है। यह ब्रांडेड उत्पादों का सुझाव भी दे सकता है जो सौंदर्य और कल्याण उद्योग में विशिष्ट स्थितियों को संबोधित करते हैं, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्राहक की प्राथमिकताओं से गहराई से जुड़ना है। जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है, यह ऐसे समाधानों का वादा करती है जो भविष्य में दिखावट और सेहत दोनों को बढ़ाएंगे।

-विजय गर्ग

ला ईलाज हो चुका 'स्मॉग प्रदूषण'

निर्मल रानी

धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। यहाँ तक कि रोज़ाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकट्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़,ग़रीब हो या अमीर,वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी ज़िम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि 'स्मॉग प्रदूषण' अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

उत्तर भारत का एक बड़ा क्षेत्र इन दिनों 'स्मॉग' यानी ज़हरीले धुयें युक्त कोहरे जिसे धूम कोहरा भी कहा जाता है, की चपेट में है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जबकि 'स्मॉग' यानी ज़हरीले धुयें की ख़बरें मीडिया में सुर्ख़ियां बटोर रही हों। बल्कि लगभग दो दशक से यह स्थित प्रत्येक वर्ष पैदा हो रही है। हाँ इतना ज़रूर है कि प्रदूषण दिन प्रतिदिन और भी न केवल बढ़ता जा रहा है बल्कि और भी ज़हरीला भी होता जा रहा है। इसका घोर प्रदूषण युक्त वातावरण का ख़ामियाज़ा हमें तरह तरह से भुगतना पड़ रहा है। कहीं विमानों की उड़ानें प्रभावित हो रही हैं तो कहीं ट्रेंस परिचालन में बाधा आने के चलते रेल गाड़ियां लेट हो रही हैं। गत दिनों ख़राब मौसम के कारण ही दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 15 विमानों का मार्ग बदला गया जबकि 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। सड़कों पर दुर्घटनाओं में इज़ाफ़ा होने लगा है। स्वास्थ्य कारणों से बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं तो अस्पतालों में सांस और दमा के मरीज़ों की संख्या बढ़ जाती है। यहाँ तक कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी ऐसे वातावरण में सांस लेने में दिक़्क़त महसूस करने लगता है। लोगों को खुजली हो रही है और आंखों में जलन व आँखों से पानी आने की शिकायतें आ रही हैं। मास्क लगाना या न लगाना दोनों ही स्थिति में लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी बढ़ते प्रदूषण की वजह से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान के लाहौर में स्मॉग यानी ज़हरीले धुएं की इतनी मोटी चादर बिछ गई जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देने लगी। अब ख़बर तो यहां तक है कि स्मॉग यानी ज़हरीले धुएं से पैदा होने वाले इस प्रदूषण को कम करने के लिए वहां लॉकडाउन लगाने तक की योजना बन रही है।

सवाल यह है कि गत लगभग 2 दशक से निरंतर प्रदूषित होते जा रहे इस ज़हरीले धुएं युक्त वातावरण और अनेक माध्यमों से इनसे होने वाले आर्थिक नुक़सान व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिये ज़िम्मेदार कौन है। सर्दियों की शुरुआत में हमेशा टी वी व अख़बारों में यह सुर्ख़ियां बनती हैं कि प्रदूषण का स्तर क्या है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वच्छ हवा वाले वातावरण के लिये 50 तक AQI होना चाहिये। 50 से कम AQI (एयर क्वालिटी इंडेक्स) स्वास्थ्य के लिये ठीक रहता है। जबकि दिल्ली राजधानी क्षेत्र (एन सी आर) से लेकर केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ तक का एयर क्वालिटी इंडेक्स पिछले दिनों 500 के क़रीब पहुँच गया। सरकार से लेकर जनता तक इस अति प्रदूषित वातावरण से निजात पाने के लिये केवल प्रकृति के भरोसे बैठी हुई है कि या तो बारिश हो तो इस ज़हरीली हवा से निजात मिले या फिर तेज़ हवा इस वातावरण से निजात दिलाये। जबकि प्रदूषण से त्राहि त्राहि करती यही जनता या जनता द्वारा चुनी उसकी सरकार इस समस्या से निपटने का कोई भी कारगर उपाय ढूंढ नहीं पाती। कभी स्कूल्स में छुट्टी कर,कभी निर्माण कार्य रूकवाकर तो कभी सम-विषम नंबर के अनुसार वाहन चलने

का निर्देश देकर ऐसी समस्याओं से निजात के उपाय तलाशे जाते हैं। जबकि प्रदूषण फैलाने के ज़िम्मेदार वाहनों की संख्या प्रतिदिन लाखों की तादाद में बढ़ती जा रही है। उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फ़सलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेख़ौफ़ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़,पॉलीथिन,प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाज़ी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं। बल्कि हर साल आतिशबाज़ी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाज़ी चलाने को लेकर 'ज्ञान' देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा। गुरपूरव पर होने वाली आतिशबाज़ी पर सवाल उठाया तो दीपावली का सवाल खड़ा होगा। इसी तरह शब् बरात हो या नया साल,रोज़ होने वाले शादी ब्याह कोई भी आयोजन आतिशबाज़ी से अछूता नहीं है। और ज़ाहिर है ऐसी आतिशबाज़ीयों का एक ही परिणाम है, ज़हरीला धुआं,जान लेवा प्रदूषण,स्मॉग यानी ज़हरीले धुयें युक्त कोहरे की चादर और अंततः बदलता मौसम व ग्लोबल वार्मिंग।

जिस तरह बारिश के दिनों में शहरों में समुचित जल निकासी का प्रबंध न होने के चलते शहरों व क़स्बों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है और इससे संबंधित ख़बरें लेख व परिचर्चाएं वर्षा ऋतू के दौरान पढ़ने सुनने को मिलती हैं। परन्तु बारिश ख़त्म होते ही जनता व सरकार सभी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं और अगले साल की बारिश व इससे होने वाली तबाही की प्रतीक्षा करने लगते हैं। ठीक उसी तरह हर साल दीपावली के बाद और सर्दियों के आग़ाज़ में हर वर्ष यही प्रदूषण व ज़हरीले धुएं की चर्चा सुर्ख़ियों में आ जाती है। इस विषय को लेकर हमारे समाज की जागरूकता व समझ का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि न तो कोई अतिशबाज़ियों से परहेज़ के लिए तैयार है न ही यह मानने के लिये तैयार है कि पराली या खेतों में फ़सलों के अवशेष जलने से प्रदूषण फैलता है।

धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। यहाँ तक कि रोज़ाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकठ्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़,ग़रीब हो या अमीर,वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी ज़िम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि 'स्मॉग प्रदूषण' अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

21 नवंबर 'पब्लिक एशिया' के स्थापना दिवस पर सभी को शुभकामनाएं

वर्तमान काल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई भी घटना घटित हो तो उसके अगले दिन हमारे पास उसकी खबर आ जाती है। ऐसा सिर्फ समाचार पत्रों के कारण ही संभव होता है। आज के समय में बिना समाचार पत्र के जीवन की कल्पना करना भी काफी कठिन है। यह वो पहली और आवश्यक वस्तु है, जिसे सभी हर सुबह सबसे पहले देखते हैं। यह हमें पूरे विश्व में हो रही घटनाओं के बारे में जानकारी देकर वर्तमान समय से जुड़े रखने में हमारी मदद करता है। समाचार पत्र व्यापारियों, राजनितिज्ञों, सामाजिक मुद्दों, बेरोजगारों, खेल, अन्तरराष्ट्रीय समाचार, विज्ञान, शिक्षा, दवाइयों, अभिनेताओं, मेलों, त्योहारों, तकनीकों आदि की जानकारी हमें देता है। यह हमारे ज्ञान कौशल और तकनीकी जागरूकता को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है।

आज 21 नवंबर को हम हर साल पब्लिक एशिया के स्थापना दिवस के रूप में मनाते है। 21 नवंबर 1989 को पब्लिक एशिया अस्तित्व मे आया। इसकी शुरुआत एक डेली हिंदी समाचार पत्र के रूप मे नयी दिल्ली से हुई थी। जैसे-जैसे दशक दर दशक पब्लिक एशिया तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता गया, वैसे-वैसे शहर की तस्वीर भी बदलती चली गई। आजकल, समाचार पत्र जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। यह बाजार में लगभग सभी भाषाओं में उपलब्ध होता है। एक समाचार पत्र खबरों का प्रकाशन होता है, जो कागजों पर छापा जाता है और लोगों के घरों में वितरित किया जाता है। अलग-अलग देश अपना अलग समाचार संगठन रखते हैं।पब्लिक एशिया अखबार का उद्देश्य हमें अपने देश में हो रही सभी घटनाओं के साथ ही संसार में हो रही घटनाओं से भी अवगत कराना हैं। यह हमें खेल, नीति, धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, फिल्म उद्योग, फिल्म (चलचित्र), भोजन, रोजगार आदि के बारे में बिल्कुल सटीक जानकारी देता है।

बदलते वक्त के साथ विकास की उड़ान का साक्षी रहा है पब्लिक एशिया ग्रुप।देश के सभी महत्वपूर्ण राज्यों जैसे की उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,हरियाणा,पंजाब,हिमाचल से प्रकाशित ये समाचार पत्र उच्चाइयों को छूता गया। सदा से इस अखबार का उद्देश्य सही और सच का साथ देने का रहा है। इस अखबार के माध्यम से हमने हर उस व्यक्ति को न्याय दिलाने की कोशिश की है जो किसी परिस्तिथिवश संकट में हो। 'पब्लिक की कहे और पब्लिक की सुने' इस अखबार का मोटो रहा है और आम जनता की आवाज़ को इस अखबार के माध्यम से सरकार,अधिकारीयों व लोगो तक पहुंचाने का काम सदा इस समाचार पत्र ने किया है।

समय दर समय इस अखबार ने ऊँची बुलंदियों को हासिल कर एक मुकाम बनाया है। आज पब्लिक एशिया मात्र एक डेली अखबार ही नहीं अपितु हिंदी व अंग्रेजी की मैगज़ीन,संध्या पब्लिक एशिया अख़बार, डिजिटल चैनल , सभी सोशल मीडिया जैसे फेसबुक,ट्विटर,इंस्टाग्राम पर अपनी पहचान बनाने में खासी कामयाबी हासिल कर चुका है ।

वर्तमान समय में, जब सभी लोग अपने जीवन में इतने व्यस्त है, ऐसे में उनके लिए बाहरी संसार के बारे में सूचनाओं या खबरों की जानकारी होना बहुत ही मुश्किल से संभव है, इसलिए पब्लिक एशिया समाचार पत्र इस तरह की कमजोरी को हटाने का सबसे अच्छा विकल्प है। केवल 15 मिनट या आधे घंटे में किसी घटना की विस्तृत जानकारी हम अपने अखबार के माध्यम से देने की भरपूर कोशिश करते है। यह सभी क्षेत्रों से संबंधित व्यक्तियों के लिए बहुत ही लाभदायक है क्योंकि यह सभी के अनुसार जानकारियों को रखता है जैसे विद्यार्थियों, व्यापारियों, राजनेताओं, खिलाड़ियों, शिक्षकों, उद्यमियों आदि।

अनिल शर्मा जी व प्रतिमा चतुर्वेदी द्वारा शुरुआत किया गया ये समाचार पत्र आज एक नयी बुलंदियों को छू रहा है।अनिल शर्मा जी व प्रतिमा चतुर्वेदी के तजुर्बे से बहुत कुछ सीखने को मिला है। समाचार पत्र की बारीकियों को समझना और उसको सूझ भोज से अमल में लाना अनिल शर्मा जी से बेहतर कौन समझा सकता था। मैं मुकेश वत्स इस अखबार के मालिक व समूह संपादक होने के नाते अपनी मेहनत व काबिलयत के बल पर इसे और नयी बुलंदियों तक पहुंचाने का प्रयास किया है और आगे भी निष्ठापूर्ण इसमे प्रयासरत रहूँगा। सम्पूर्ण पब्लिक एशिया अखबार की तरफ से सभी को पब्लिक एशिया के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं।

अब बुद्धू बकसा नहीं रहा टेलीविजन

डॉ घनश्याम बादल

चाहे आपकी रुचि वॉकिंग डेड में किसकी मृत्यु हुई या फेस द नेशन में राष्ट्रपति के साथ साक्षात्कार में हो, वर्चुअल दुनिया में एक पूरा समुदाय है जिसके साथ आप गपशप कर सकते हैं। वैसे भारत में पुरानी पीढ़ी के लोग अधिक टेलीविजन देखना पसंद नहीं करते पर नई पीढ़ी किसी भी माध्यम से टेलीविजन देखने से छुट्टी भी नहीं है शायद दोनों के अपने-अपने आदर्श एवं जीवन शैलियों हैं। पर ,यह तो सच है कि न तो आज के युग में टेलीविजन से कट कर चला जा सकता है और साथ ही साथ यदि हम अपना सारा समय टेलीविजन को ही दे देंगे तो यह भी घातक हो सकता है।

आज के समय में देश और दुनिया का शायद ही कोई ऐसा शहर, गांव या घर होगा जहां पर टेलीविजन की उपस्थिति न हो । आज हमारी दिनचर्या में टेलीविजन देखना एक अपरिहार्य हिस्सा बन चुका है । कह सकते हैं कि जो टेलीविजन के संपर्क में नहीं है वह आज की दुनिया के भी संपर्क में भी नहीं है और ऐसे लोगों को पिछड़ा माना जाता है । आज बड़ों से लेकर बच्चों तक जब आपस में मिलते हैं तो टेलीविजन का जिक्र किसी न किसी संदर्भ में ज़रूर आता है । अब टेलीविजन के बारे में तो सब जानते हैं पर शायद यह बहुत कम लोग जानते होंगे कि 21 नवंबर को पूरी दुनियाभर में टेलीविजन दिवस मनाया जाता है। आज टेलीविजन संचार और वैश्वीकरण का प्रतीक है जो हमें शिक्षित करता है, सूचित करता है, मनोरंजन करता है और हमारे निर्णयों और विचारों को प्रभावित करता है।

मजे की बात यह है कि आज के इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार किसी जाने-माने वैज्ञानिक ने नहीं किया अपितु 1927 में, फिलो टेलर फ़ार्नस्वर्थ नामक 21 वर्षीय जर्मन आविष्कारक ने दुनिया का पहला इलेक्ट्रॉनिक टेलीविज़न बनाया जो 14 साल की उम्र तक बिना बिजली के घर में रहा था । अपनी पढ़ाई के दौरान हाई स्कूल में ही, उसने एक ऐसी प्रणाली के बारे में सोचना शुरू किया जो चलती हुई तस्वीरों को कैप्चर कर सके, उन्हें एक कोड में बदल सके और फिर उन छवियों को रेडियो तरंगों के साथ अलग-अलग डिवाइस पर भेज सके। वह पारंपरिक टेलीविज़न सिस्टम से कई साल आगे था क्योंकि उसकी संरचना इलेक्ट्रॉनों की एक किरण का उपयोग करके चलती हुई छवियों को कैप्चर करती थी। फ़ार्नस्वर्थ ने बाद में अपने टेलीविज़न का उपयोग करके एक डॉलर के चिह्न की छवि को प्रसारित किया, जब एक साथी आविष्कारक ने पूछा 'हम इस चीज़ से कुछ डॉलर कब देखेंगे?' तब उनमें से किसी को भी नहीं पता था कि टेलीविज़न वैश्विक सूचना के प्रसार को बढ़ावा देने वाले अंतर्राष्ट्रीय दिवस का प्रतीक बन जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक टेलीविज़न से पहला प्रसारण चार्ल्स फ्रांसिस जेनकिंस द्वारा निर्मित ङ्ख3ङ्गय नामक प्रथम यांत्रिक टीवी स्टेशन ने किया।

1996 में 21 और 22 नवंबर को, संयुक्त राष्ट्र ने पहला विश्व टेलीविजन फोरम आयोजित किया। यहाँ, प्रमुख मीडिया हस्तियाँ तेज़ी से बदलती दुनिया में टेलीविज़न के बढ़ते महत्व पर चर्चा और इस बात पर विचार करने के लिए मिलीं कि वे अपने आपसी सहयोग को कैसे बढ़ा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के नेताओं ने माना कि टेलीविज़न संघर्षों की ओर ध्यान आकर्षित कर सकता है, शांति और सुरक्षा के लिए खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ा सकता है और सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने तब टेलीविज़न को सूचना देने, चैनल बनाने और जनमत को प्रभावित करने के एक प्रमुख उपकरण के रूप में स्वीकार किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 नवंबर को विश्व टेलीविज़न दिवस का नाम दिया । अब तो आपको पता है कि 21 नवंबर को टेलीविजन दिवस है तो फिर इस दिवस को कैसे मनाया जाए इसके लिए लिए सोचते हैं कुछ नया।

शेयर करें पसंदीदा टीवी पल

टेलीविज़न पर बहुत कुछ ऐसा है जिसे देखकर आप खुश हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर जाएं और

अपने पसंदीदा टेलीविज़न पल के बारे में लिखें, चाहे वह पिछले हफ़्ते हुआ हो या 20 साल पहले।अपने पसंदीदा लोगों को टीवी डिनर के लिए आमंत्रित करें और साथ ही अपना पसंदीदा कार्यक्रम देखें।

खूब मज़े करो

हो सकता है कि आप टीवी देखने से इसलिए परहेज करते हों क्योंकि आपको लगता है कि आपको कुछ काम करने चाहिए? यह दिन आपके लिए ही बना है! कुछ आरामदायक स्वेट पहनें, अपने लिए पॉपकॉर्न बनाएं और अपने पसंदीदा शो के एक के बाद एक एपिसोड देखें। अगर आपको इस तरह की आरामदेह गतिविधि पर कोई अपराधबोध महसूस होता है, तो खुद को याद दिलाएँ कि आप अपने कार्यों से संयुक्त राष्ट्र के आदर्शों का समर्थन कर रहे हैं - या इस मामले में निष्क्रियता डेविड एटनब्रो की 2016 की डॉक्यूमेंट्री श्रृंखला दुनिया भर में प्रकृति की खोज करती है और यह नाजुक वर्णन और आश्चर्यजनक दृश्यों से भरपूर है। और भी ऐसे अनेक कार्यक्रम हो सकते हैं जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार देख सकते हैं पर बेहतर हो कुछ सार्थक देखें। ऐसे ही कुछ सार्थक सीरियल्स हैं

प्लैनेट अर्थ

मूल प्लैनेट अर्थ का फिल्मांकन 2006 में किया गया था और यह मूलतः प्लैनेट अर्थ 2 जैसा ही था, लेकिन फुटेज को कैप्चर करने वाली तकनीक थोड़ी पुरानी थी। भाइयों का बैंड

युद्ध ड्रामा लघु श्रृंखला 1942 से द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तक 101वीं एयरबोर्न डिवीजन की 506वीं रेजिमेंट, ईज़ी कंपनी की कहानी पर केंद्रित है। ब्रेकिंग बैड यह नाटक एक रसायन विज्ञान शिक्षक की कहानी है, जिसे पता चलता है कि उसे कैंसर है और वह मेथ-निर्माण व्यवसाय में जाने का निर्णय लेता है। चेरनोबिल यह लघु श्रृंखला 1986 में चेरनोबिल में हुई परमाणु आपदा और उसके बाद किए गए सफाई प्रयासों को कवर करती है। यह कार्यक्रम तो महा जे महज सुझाव के लिए हैं दुनिया भर के टेलीविजन कार्यक्रमों की सूची उठाकर देखेंगे तो आपको अपनी पसंद के एवं सार्थक कार्यक्रमों की एक लंबी श्रृंखला मिल जाएगी तो अगर समय है और मन भी है तो टेलीविजन दिवस पर यह कार्यक्रम देख सकते हैं। ज्यादा टेलीविजन देखने के अपराध बहुत से ग्रस्त होने की आपका आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में, औसतन लोग प्रतिदिन 3.5 घंटे टेलीविजन देखते हैं। चाहे वह समाचार हो, खेल हो, संगीत कार्यक्रम हो, शो हो या फ़िल्में हों, हम मनोरंजन और जानकारी के लिए टेलीविजन का सहारा लेते हैं। मनोरंजन के रूप में टेलीविजन केवल संयुक्त राज्य अमेरिका तक ही सीमित नहीं है। दुनिया भर में लगभग 610 मिलियन दर्शक हैं। यह जानना कि इसके उच्च उद्देश्यों के लिए एक दिन समर्पित है, हमें दिन के अंत में थोड़ा टीवी देखने के अपने निर्णय के बारे में बेहतर महसूस कराता है।

एक समय टेलीविजन का मतलब लिविंग रूम में रखा हुआ वह बॉक्स होता था जो रेडियो तरंगें प्राप्त करता था और छवियों को प्रसारित करता था। वे दिन चले गए हैं। टेलीविजन अब कोई भी सिस्टम है जो ध्वनि और छवियों को प्रसारित करता है और स्क्रीन पर प्रदर्शित होता है। यह अभी भी डेन में बड़ी स्क्रीन हो सकती है, लेकिन यह आपके डेस्कटॉप, लैपटॉप या फोन को भी संदर्भित करती है। जब तक वे कार्यक्रमों तक पहुँच रहे हैं, वे निष्पक्ष खेल हैं! अपने कई नवाचारों के साथ, टीवी मनोरंजन और सूचना का एक स्रोत है जिसे हम प्रतिदिन एक्सेस करते हैं। यदि चाहें तो आप सोशल मीडिया पर जाएं और अपना पसंदीदा टेलीविज़न शो, न्यूज़ प्रोग्राम या नेटवर्क टाइप करें और आपको ढेरों कमेंट, लाइक और शेयर मिलेंगी। इसलिए चाहे आपकी रुचि वॉकिंग डेड में किसकी मृत्यु हुई या फेस द नेशन में राष्ट्रपति के साथ साक्षात्कार में हो, वर्चुअल दुनिया में एक पूरा समुदाय है जिसके साथ आप गपशप कर सकते हैं। वैसे भारत में पुरानी पीढ़ी के लोग अधिक टेलीविजन देखना पसंद नहीं करते पर नई पीढ़ी किसी भी माध्यम से टेलीविजन देखने से छुट्टी भी नहीं है शायद दोनों के अपने-अपने आदर्श एवं जीवन शैलियों हैं। पर ,यह तो सच है कि न तो आज के युग में टेलीविजन से कट कर चला जा सकता है और साथ ही साथ यदि हम अपना सारा समय टेलीविजन को ही दे देंगे तो यह भी घातक हो सकता है।

पब्लिक एशियाः पत्र पंजीकरण संख्याः HARHIN/2011/40057, स्वामी मुकेश वत्स के लिए मुद्रक, प्रकाशक, स्वाति वर्मा ने पब्लिक एशिया E- 33, सैक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित करवाकर कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस, शॉप नो.-8 ईदगाह रोड, नियर रेलवे स्टेशन, मॉडल टाउन, पानीपत, 132103, हरियाणा से प्रकाशित किया से प्रकाशित किया। E-mail: publicasia1989@gmail.com, website: www.publicasia.in, स्वाति वर्मा (संपादक), मुख्य कार्यालय : पब्लिक एशिया हाऊस 686 जी, न्याय खंड 2 इंदरापुरम गाज़ियाबाद(उ.प्र)। Mobile No. 8287879604, 9891945513, 0120-2605513 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होगें।
वैधानिक सूचना-पाठकों को सलाह दी जाती है की किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच- पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापन के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

मुख्य समाचार

नकोदर में उर्वरकों के नमूने भरने के अलावा उर्वरक भंडारों का रिकॉर्ड जांचा गया

एजेंसी

जालंधर » रबी सीजन के दौरान किसानों के लिये आवश्यक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये उपायुक्त डॉ हिमांशु अग्रवाल के निर्देश पर चलाये अभियान के तहत बुधवार को ब्लॉक नकोदर में खाद विक्रेताओं/ डीलरों की दुकानों और गोदामों की जांच की गयी। मुख्य कृषि अधिकारी डॉ रणधीर सिंह ठाकुर ने बुधवार को बताया कि जांच के दौरान गेहूं और आलू की बुआई के लिये इस्तेमाल होने वाले विभिन्न उर्वरकों के आठ नमूने भरने के अलावा उर्वरक भंडारों का रिकॉर्ड भी जांचा गया है। उन्होंने कहा कि भरे गये नमूनों को लेबोरेट्री में जांच के लिये भेजा जायेगा और यदि कोई नमूना फेल पाया जाता है, तो जिम्मेदार उर्वरक विक्रेता/ डीलर के खिलाफ उचित कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के निर्देशानुसार जिले भर में विभाग की टीमों द्वारा उर्वरक दुकानों की जांच लगातार सुनिश्चित की जा रही है, ताकि उर्वरक का अनावश्यक भंडारण न हो सके। उन्होंने बताया कि आज की गयी जांच के दौरान टीम में कृषि अधिकारी डॉ सुरजीत सिंह, कृषि विकास अधिकारी, डॉ अमरीक सिंह और विभाग के अन्य कर्मचारी शामिल थे। मुख्य कृषि अधिकारी ने बताया कि अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा और यदि कोई उर्वरक विक्रेता/ डीलर बिना बिल के उर्वरक, दवा या बीज बेचता पाया गया तो खाद कंट्रोल ऑर्डर 1985 के तहत कानूनी कार्रवाई की जायेगी। डॉ.रणधीर सिंह ने किसानों को रबी की फसल लगाने के लिये डीएपी के विकल्प का प्रयोग करने की भी सलाह दी।

सैनी और खट्टर ने देखी 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म

एजेंसी

चंडीगढ़, » हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चंडीगढ़ आई टी पार्क स्थित डीटी मॉल में मंगलवार सांय प्रदेश के मंत्रियों और विधायकों के साथ 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म को देखा। श्री सैनी ने 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म को हरियाणा में कर मुक्त करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह फ़िल्म 27 फ़रवरी, 2002 को गोधरा (गुजरात) में हुये साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन की घटना पर आधारित है। इसमें घटना की महत्वपूर्ण सच्चाई को दिखाया गया है । फ़िल्म निर्माता ने इस मुद्दे को बहुत ही संवेदनशीलता और गरिमा के साथ संभाला और यह फिल्म हमें आत्ममंथन करने के लिये प्रेरित करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फ़िल्म के माध्यम से 59 निर्दोष पीड़ितों को भी अपनी बात कहने का मौका मिला है। यह फिल्म वास्तव में उन 59 निर्दोष पुरुष, महिलाओं और बच्चों के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है। फिल्म के निर्माता ने फिल्म के माध्यम से इस घटनाक्रम की सच्चाई को देश के सामने उजागर किया, जिस घटना से पूरा देश अनभिज्ञ था।

बच्चे राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला: शुक्ल

एजेंसी

शिमला » उत्तर प्रदेश में बाल अधिकार, संरक्षण और विकास के लिए कार्य कर रही सामाजिक संस्था सेफ सोसइटी, गोरखपुर द्वारा लखनऊ में आयोजित समागम' 24 कार्यक्रम में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल बतौर मुख्य अतिथि वर्चुअल माध्यम से राजभवन से जुड़े। इस अवसर पर, अपने संबोधन में राज्यपाल ने सेफ सोसाइटी द्वारा बाल अधिकार, संरक्षण और विकास को आगे बढ़ाने तथा वंचित आबादी के उत्थान के लिए किए जा रहे उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस समागम की शुरूआत वर्ष 2023 में की गई थी। इसके माध्यम से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का निवेश सरकारी योजनाओं, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा एवं उनके विकास, के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए एक रचनात्मक पहल की गई थी। जिसके तहत सामाजिक विकास के प्रति जिम्मेदार सभी हितधारक एक मंच पर आकर चर्चा करें और कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि यह सोसाइटी उन लाखों बच्चों के लिए आशा की किरण है जो एक उज्जवल, सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत भविष्य के लिए हमारी ओर देखते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे हमारे राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला हैं। उनकी भलाई हमारे समुदायों के स्वास्थ्य और हमारे देश के विकास की दिशा निर्धारित करती है। इसलिए, यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बच्चे को आगे बढ़ने, सीखने और सम्मान का जीवन जीने का अवसर मिले। श्री शुक्ल ने कहा कि हर सक्षम व्यक्ति के पास एक बच्चे के जीवन को प्रभावित करने की शक्ति है। चाहे वह स्वयंसेवा के माध्यम से हो, सलाह देने के माध्यम से हो, दान करने के माध्यम से हो, या हमारे दैनिक जीवन में बाल-अनुकूल प्रथाओं की वकालत करने के माध्यम से हो, हमारा योगदान मायने रखता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह समागम सार्थक संवाद, अभिनव समाधान और बाल अधिकारों और संरक्षण के लिए अटूट प्रतिबद्धता को प्रेरित करेगा। इससे पूर्व, सेफ सोसइटी, गोरखपुर के निदेशक श्री विश्व वैभव शमाद्य ने राज्यपाल का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, राज्यपाल के सचिव सी. पी. वर्मा, लखनऊ कैंट से पूर्व विधायक सुरेश चंद्र तिवारी, बाल विकास आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार शर्मा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सरकार हर मोर्चे पर बुरी तरह फेल : रणधीर

शिमला » भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं मीडिया विभाग के प्रभारी रणधीर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के फैसले और उच्च न्यायालय का निर्णय यह साबित करता है कि कांग्रेस की वर्तमान सरकार हर मोर्चे, हर क्षेत्र में फेल है तथा नाकाम सिद्ध हो रही है। श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा लगातार आरोप लगा रही है कि वर्तमान सरकार माफिया राज के दबदबे में काम कर रही है, सरकार पर माफिया का दबाव है चाहे वह खनन, भू, ड्रग, वन किसी भी प्रकार का माफिया हो। अब तो इस सरकार में तबादला माफिया भी सक्रिय हो गया है और यह माफिया सरकार के संरक्षण में पनप रहा है। माफिया का सरगना मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में है और मुख्यमंत्री का स्वयं उनको संरक्षण है ईडी की गिरफ्तारियां इन आरोपों को सिद्ध करती है। खनन माफिया ऊना, सिरमौर, बीबीएन और कांगड़ा में तेजी से फल फूल रहा है। कई जगह तो माफिया में सरकार के कर्णधार भी शामिल है, अगर इनको संरक्षण देने के लिए किसी अधिकारी पर दबाव दिया जाता है और वह मानता नहीं तो उसके ऊपर भी दबाव बनाया जाता है, वन माफिया के लिए तो जंगल कटान के रास्ते खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा हाल ही में उच्च न्यायालय ने हिमाचल भवन दिल्ली को कुर्क करने के आदेश दिए यह गंभीर विषय है, पर मुख्यमंत्री अपनी कमियों को छुपाने के लिए विपक्ष पर दोषारोपण कर रहे हैं यह मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता है। हम उनसे पूछना चाहेंगे कि 5000 करोड़ की कौन सी संपत्ति है जो भाजपा राज में नीलाम हुई, इस पर उन्हें स्पष्टीकरण देना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर टिप्पणी की कि यह लोकतंत्र के लिए सही नहीं है, इसके विपरीत उनको अपने मित्र एजी से पूछना चाहिए क्या उच्च न्यायालय में लगे मामलों की ढंग से पैरवी भी की थी या नहीं, कांग्रेस नेता तो बोलते थे कि मुख्यमंत्री तानाशाह है शायद वह सही बोलते थे। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने पर्यटन विभाग के 18 होटल बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं सरकार तो पर्यटन बढ़ाने की गुणगान करती थी पर शायद उन्होंने इन होटलों को लाभ में लाने का प्रयास ही नहीं किया।

भाजपा नगर निकाय चुनाव को लेकर पूरी तरह से तैयार : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

महाराष्ट्र और झारखंड में स्पष्ट बहुमत के साथ बनेगी भाजपा व एनडीए की सरकार

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » हरियाणा भारतीय जनता पार्टी की बैठकों का दौर दूसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। पंचकूला स्थित पार्टी कार्यालय पंचकमल में बुधवार को कोर ग्रुप एवं सांसदों की बैठक हुई। बैठक में सरकार की योजनाओं, संगठनात्मक विषयों, सदस्यता अभियान, नगर निकाय चुनाव समेत संगठन को और मजबूत बनाने से जुड़े विषयों पर मंथन हुआ। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश में शहरी निकाय चुनाव जल्दी ही करवाए जाएंगे।उन्होंने कहा कि भाजपा निकाय चुनाव के लिए तैयार है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, संगठनमंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, किरण चौधरी, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु समेत तमाम नेता मौजूद रहे। कोर ग्रुप की बैठक के बाद सीएम आवास पर भी जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, मंडल अध्यक्ष, विधानसभा संयोजक, विधानसभा प्रभारी एवं विधानसभा प्रवासी प्रभारियों की भी बैठक हुई। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए। कोर ग्रुप की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया के सवालों का जवाब दिया और कांग्रेस को भी घेरा। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन का मुकाबला महा विकास अगाड़ी से नहीं बल्कि महाविनाश अगाड़ी से है। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि महाविनाश अगाड़ी में जिस तरह के नेता हैं वे भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और उन पर मामले दर्ज हैं। नगर निकाय चुनाव के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निकाय के चुनावों को जल्द ही कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता नगर निकाय चुनाव को लेकर पूरी तरह से तैयार है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में बड़े स्तर पर सदस्यता अभियान चल रहा है। बीजेपी ने सदस्यता अभियान में 50 लाख सदस्य जोड़ने का लक्ष्य रखा है उसको लेकर योजना और रणनीति बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव में कार्यकताओं ने कड़ी मेहनत की थी, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पूरी गति के साथ काम कर रही है और हमें तीव्र गति के साथ आगे भी काम करना है उसको लेकर भी कार्यकर्ताओं से चर्चा हुई है। एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने 50-55 साल शासन किया। देश के लोगों को कांग्रेस से अपेक्षाएं थी, लेकिन कांग्रेस ने लोगों की अपेक्षाओं को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने खुद की अपेक्षाएं पूरी की, लेकिन लोगों को उनकी अपेक्षाओं से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय सड़के नहीं थी, मेडिकल कॉलेज नहीं थे, शिक्षा के क्षेत्र में भी अभाव था। देश की जनता ने कांग्रेस पार्टी के शासन को देख लिया, इसलिए कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया। सैनी ने कहा कि अब कांग्रेस के नेता देश के लोगों का ध्यान बांटने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस नेताओं द्वारा जातिगत जनगणना और राहुल गांधी द्वारा चलाए जाने वाले कार्यक्रमों के सवाल पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस 55 साल तक सत्ता में रही तब जनगणना क्यों नहीं करवाई? कांग्रेस ने पिछड़ों, गरीबों, वंचितों से केवल वोट लिए और उनका शोषण किया। कांग्रेस के राज में गरीब व्यक्ति को कुछ नहीं मिलता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार गरीब की सुध ले रही है। मोदी सरकार ने अंतिम छोर के गरीब व्यक्ति के घर तक लाभ पहुंचाया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि मोदी सरकार ने देश में विकास के अनेक काम किए हैं। मोदी सरकार के कामों की बदौलत महाराष्ट्र और झारखंड में भी बीजेपी व एनडीए की सरकार बनेगी। विपक्षी पार्टियों को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में डबल इंजन की सरकार नहीं है उन राज्यों की सरकार लोगों को सुविधाओं से वंचित रखती है। पश्चिम बंगाल, पंजाब और हिमाचल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इन राज्यों की सरकारें केंद्र की योजनाओं से जनता को वंचित रख रही है।

स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी के अनुरूप विशेष सावधानी बरतें जिलावासी : उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक» एकाएक बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने विशेष एडवाइजरी जारी की है। उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने जिला के नागरिकों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी की गई एडवाइजरी के अनुरूप विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार वायु प्रदूषण के मुख्य स्रोत बाहरी वायु प्रदूषण (एंबिएंट एयर पॉल्यूशन), मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न प्रदूषण, औद्योगिक उत्सर्जन (जीवाश्म ईंधन जलने, प्रक्रिया और फ्यूजिटिव उत्सर्जन), वाहनों का एमिशन, सडक़ पर उडऩे वाली धूल, निर्माण और विध्वंस गतिविधियां, प्राकृतिक स्रोतों से उत्पन्न प्रदूषण, कूड़ा जलाना (कूड़ा, हॉर्टिकल्चर वेस्ट, फसल अवशेष आदि), खाना पकाने और आतिशबाजी के लिए ठोस ईंधन का उपयोग है द्य वायु प्रदूषण भारत में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का कारण है और इसके लिए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

वायु प्रदूषण का बुरा असर : वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों पर होता है द्य अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियों (विशेष रूप से पुरानी फुफ्फुसीय या हृदय संबंधी समस्याओं) वाले रोगियों, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और बुजुर्गों को अधिक सावधान रहना चाहिए और वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बचना चाहिए। सिविल सर्जन डॉ रमेश चन्द्र ने बताया की वायु प्रदूषण एक प्रमुख पर्यावरणीय खतरा है जो कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। वायु प्रदूषण से निमोनिया, अस्थमा और क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) सहित तीव्र और दीर्घकालिक श्वसन संबंधी रोग हो सकते हैं। वायु प्रदूषण से इस्केमिक हृदय रोग और स्ट्रोक हो सकता है। वायु प्रदूषण से फेफड़ों का कैंसर हो सकता है। वायु प्रदूषण से संज्ञानात्मक हानि और मनोभ्रंश हो सकता है। वायु प्रदूषण से समय से पहले जन्म और जन्म के समय कम वजन का जोखिम बढ़ सकता है। वायु प्रदूषण से मृत जन्म और गर्भपात का जोखिम बढ़ सकता है। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ दिनेश गर्ग ने बताया कि वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को खुद से बचाने के लिए सावधानियां रखें। **क्या ना करें »** उच्च वायु प्रदूषण वाले स्थानों पर जाने से बचें जैसे धीमी और भारी यातायात वाली सडक़ें, प्रदूषण फ़ैलाने वाले उद्योग, निर्माण- विध्वंश स्थलों आदि के पास के क्षेत्र। गंभीर एक्यूआई वाले दिनों में सुबह और देर शाम को खुली हवा में टहलने, दौडऩे एवं शारीरिक व्यायाम करने से बचें। सिगरेट, बीड़ी आदि का सेवन न करें। बंद परिसर में मछर मारने वाली काइल और अगरबत्ती जलाने से बचें। पटाखें न जलाएं। **क्या करें »** आँखों को नियमित रूप से स्वच्छ पानी से धोएं, गुनगुने पानी से नियमित गरारे करें, सार्वजनिक परिवहन या कार पूल का प्रयोग करें, घरों व कार्य स्थलों के अन्दर झाड़ू लगाने की बजाए गिला पोछा लगाएं, सांस फूलने, सीने में तकलीफ या दर्द, खांसी, आँखों में जलन होने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

हाईकोर्ट का सरकार को एक और बड़ा झटका,18 होटलों को बंद करने के आदेश

एजेंसी

शिमला » हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार को उच्च न्यायालय से एक और झटका लगा है। हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के उपक्रम हिमाचल पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के 18 होटलों को 'सफेद हाथी' करार देते हुए सभी को बंद करने के आदेश दिए हैं।

ये सभी होटल घाटे में चल रहे हैं और इसी वजह से इन्हें बंद करने के फरमान दिये गए हैं। न्यायालय ने कहा कि एचपीटीडीसी इन 'सफेद हाथियों' के रख-रखाव में सार्वजनिक संसाधनों का अपव्यय न करे और 25 नवंबर से इन्हें तुरंत प्रभाव से बंद करे। न्यायालय ने अपने आदेश में साफ किया है कि इन निर्देशों की अनुपालना करना पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होंगी।

न्यायालय ने कहा कि इन होटलों को साफ सुथरा रखने के लिए जो स्टाफ जरूरी हो वही इनमें रखा जाए व बाकी स्टाफ को अन्य होटलों को स्थानांतरित कर दिया जाए। ताकि जहां स्टाफ की कमी है वहां पर स्टाफ की भरपाई हो पाए।

न्यायमूर्ति अजय मोहन गोयल ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि पर्यटन निगम की ओर से इन सफेद हाथियों को चलाए रखने के लिए जनता के संसाधनों को नष्ट न किया जाए लिहाजा इन 18 होटलों को तुरंत प्रभाव यानी 25 नवंबर से बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं।जिन 18 होटलों को बंद करने के आदेश दिए गए हैं उनमें (1) पैलेस होटल, चायल (2) होटल गीतांजलि, डलहौजी (3) होटल बघाल, दाड़लाघाट (4) होटल धौलाधार, धर्मशाला (5) होटल कुनाल, धर्मशाला (6) होटल कश्मीर हाउस, धर्मशाला (7) होटल एप्पल ब्लॉसम, फागू (8) होटल चंदरभागा, केलंग (9) होटल देवदार, खजियार (10) होटल गिरिगंगा, खड़ापत्थर (11) होटल मेघदूत, कयारीघाट (12) होटल शबरी, कुल्लू (13) होटल लॉग हट्स, मनाली (14) होटल हडिंबा कॉटेज, मनाली (15) होटल कुन्जुम, मनाली (16) होटल भागसू, मैक्लोडगंज (17) होटल द कैस्टल, नागर और (18) होटल शिवालिक, परवाणू शामिल हैं।

न्यायालय ने अपने आदेश में जिक्र किया है कि पर्यटन निगम ने जो होटलों की आक्यूपेंसी का हवाला दिया है वह निराशाजनक है। आदेश में पर्यटन निगम के फ्लैगशिप होटलों की आक्यूपेंसी का भी उल्लेख किया है।

हाईकोर्ट ने कहा है कि एचपीटीडीसी अपनी संपत्तियों का उपयोग लाभ अर्जित करने के लिए करने में सक्षम नहीं हो पाया है। इन संपत्तियों का संचालन जारी रखना स्वाभाविक रूप से राज्य के खजाने पर बोझ है और अदालत यह न्यायिक रूप से स्वीकार कर सकती है कि राज्य द्वारा वित्तीय संकट की बात रोज़ की जा रही है, जो अदालत में वित्तीय मामलों से संबंधित मामलों में सूचीबद्ध होती है।

न्यायालय ने कहा कि इस मामले में जब 17.09.2024 को एक विस्तृत आदेश पारित किया, तो उसने उत्तरदाताओं से अपेक्षा की थी कि वे पर्यटन विकास निगम के संसाधनों को बढ़ाने के लिए कुछ ठोस और प्रभावी कदम उठाएंगे, लेकिन इस आदेश तक एचपीटीडीसी ने इस दिशा में एक भी छोटा कदम तक नहीं उठाया है।

अदालत ने निर्देश दिये हैं कि तीन दिसंबर 2024 को अगली सुनवाई में एचपीटीडीसी के प्रबंध निदेशक को आज कोर्ट द्वारा पारित आदेश के अनुपालन के संबंध में एक शपथ पत्र दाखिल करना होगा और साथ ही उन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सूची भी प्रदान करनी होगी जो चतुर्थ श्रेणी के हैं और उन कर्मचारियों की सूची भी जो अब इस दुनिया में नहीं रहे, ताकि पर्यटन विकास निगम से प्राप्त बकाया राशि से संबंधित वह रकम सेवानिवृत्त कर्मचारियों और मृतक कर्मचारियों के परिवारों के पक्ष में जारी की जा सके। सुनवाई की अगली तिथि पर एचपीटीडीसी को यह भी कोर्ट को सूचित करना होगा कि सरकार तथा निजी संस्थाओं द्वारा निगम को भुगतान किए जाने वाले बकायों से कितनी और राशि प्राप्त हुई है।

संपूर्ण विश्व कल्याण का महान विचार भारत की देन है : शिक्षा मंत्री महिपाल महिपाल ढांडा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक» भारत को विश्व गुरु बनाने में युवा वर्ग तथा विद्यार्थियों का विशेष योगदान होगा। सन् 2047 तक विकसित भारत का स्वप्न युवा वर्ग के प्रयासों से पूरा होगा। युवा तथा विद्यार्थी वर्ग से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सौ प्रतिशत योगदान देने का आह्वान हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के 43वें इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल यूनिफेस्ट 2024 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि किया।शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि संपूर्ण विश्व कल्याण का महान विचार भारत की देन है। उनका कहना था कि भारत ऐसा अनूठा देश है जो प्रतिस्पर्धा में विश्वास नहीं रखता, बल्कि मानव कल्याण के लिए कार्य करता है। महिपाल ढांडा ने युवा वर्ग से कहा कि कला, साहित्य, संगीत, नाटक आदि विधाओं में प्रतिभागिता से व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। साहित्यिक और सांस्कृतिक मंचों के जरिए व्यक्तित्व विकास का रास्ता प्रशस्त करते हुए जीवन में सफलता प्राप्त करने तथा कर लो दुनिया मुट्ठी का मंत्र अपनाने का परामर्श उन्होंने दिया। शिक्षा मंत्री ने यूनिफेस्ट 2024 के शानदार आयोजन के लिए एमडीटी प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने प्रत्येक प्रतिभागी को विजेता बताते हुए उनको हार्दिक शुभकामनाएं दी। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि यूनिफेस्ट 2024 साहित्यिक और सांस्कृतिक महापर्व है। इस महापर्व में भाग लेने से विद्यार्थियों में संचार कौशल, सॉफ्ट स्किल्स तथा जीवन कौशल की अभिवृद्धि होती है। कुलपति ने भारत तथा हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने में युवा वर्ग की भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. रणदीप राणा स्वागत भाषण दिया। उन्होंने यूनिफेस्ट 2024 बारे जानकारी दी। इस तीन दिवसीय इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल की आयोजन सचिव प्रो. दिव्या मल्हान ने मुख्यातिथि शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का परिचय दिया। आभार प्रदर्शन एमडीयू के कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने किया। मंच संचालन प्रो. दिव्या मल्हान और डॉ. रवि प्रभात ने किया। कार्यक्रम समन्वयन निदेशक युवा कल्याण डा. प्रताप राठी ने किया।

मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने विजयी टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। दादरी के विधायक सुनील सांगवान तथा प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. आदित्य बतरा की बतौर विशिष्ट अतिथि गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतिष्ठित समाजसेवी सीता राम व्यास, सिवाह सरपंच रणधीर, रमेश भाटिया समेत रोहतक के गणमान्य नागरिक, एमडीयू के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. अनूप सिंह मान, रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा, संकाय डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्राध्यापक, प्रतिभागी टीमों के प्रबंधक, प्रतिभागी, विवि कर्मी, विद्यार्थी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। ये तीन दिवसीय साहित्यिक और सांस्कृतिक महाकुंभ साहित्य, कला संगीत, नृत्य की खूबसूरत छटा बिखेर गया।

सहकारी आंदोलन की मजबूती के लिये पंजाब सरकार की ओर से सहकारिता विभाग को पूरा समर्थन : चीमा

एजेंसी

चंडीगढ़, » सहकारिता विभाग को पंजाब के आर्थिक विकास की रीढ़ करार देते हुये राज्य के वित्त, योजना, उत्पाद शुल्क और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने बुधवार को कहा कि पंजाब सरकार विशेष रूप से सहकारी आंदोलन और पूंजी विस्तार को मजबूत करने के लिये काम कर रही है। वित्त विभाग सहकारिता विभाग को पूरा सहयोग दे रहा है। श्री चीमा यहां टैगोर भवन में 71वें अखिल भारतीय सहयोग सप्ताह के अंतिम दिन राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान, श्री चीमा ने राज्य भर में महिला कारीगरों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों के लिये विश्व स्तरीय बिक्री अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सहकारिता विभाग द्वारा तैयार वेब पोर्टल %फुलकारी% लॉन्च किया। उन्होंने वेरका के नये उत्पादों और सहयोग विभाग की एक कॉफी टेबल बुक का भी अनावरण किया। वित्त मंत्री ने खुलासा किया कि जब 2022 में वर्तमान सरकार ने सत्ता संभाली थी तब शुगरफेड पर 400 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारी थी, जो पिछले दो वर्षों में एक संपन्न संस्थान में तब्दील हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान न केवल इन देनदारियों का भुगतान किया गया है, बल्कि संस्थान को काफी मजबूत किया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, गन्ने की खेती का क्षेत्रफल 2022-23 में 50,429 हेक्टेयर से बढ़कर 2024-25 में 56,391 हेक्टेयर हो गया है। उन्होने कहा कि इस संस्थान को घाटे से लाभ में लाने का प्रयास भी किया गया है, भोगपुर सहकारी चीनी मिल में धान के भूसे पर चलने वाले 14 मेगावाट के सह-उत्पादन संयंत्र ने 2023-24 में 15.31 करोड़ रुपये की कमाई की है।श्री चीमा ने मिल्कफेड को देश की शीर्ष तीन दुग्ध उत्पाद एजेंसियों में से एक बताते हुये कहा कि मिल्कफेड ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान प्रतिदिन 31 लाख लीटर दूध खरीदकर एक रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने वेरका कैटल फीड प्लांट, घनिया के बांगर में 50 एमटीपीडी बाय-पास प्रोटीन प्लांट और गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय लुधियाना में 50,000 एलपीडी तक की क्षमता वाली किण्वित दूध प्रसंस्करण और पैकेजिंग इकाई की शुरुआत का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर उन्होंने वेरका के नए उत्पादों का अनावरण किया, जिनमें गाय के घी के 1-लीटर प्लास्टिक जार, शुगर-फ्री खीर, शुगर-फ्री मिल्क केक और शुगर-फ्री पियो प्रोटीन शामिल हैं। वित्त मंत्री चीमा ने किसानों को धान-गेहूं चक्र से हटाने के लिये मूंग के मूल्य समर्थन योजना के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने में मार्कफेड की भूमिका की भी सराहना की।

मुख्य समाचार

हरियाणा के नए विधान भवन के लिए स्थान का चयन नियमों के तहत किया जाएगा : हरविंदर कल्याण

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ । हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने बुधवार को यहां कहा कि प्रदेश के नए विधान भवन के निर्माण के लिए स्थान का चयन नियमों के तहत किया जाएगा।कांग्रेस की ओर से मौजूदा विधान भवन के ही विस्तार की मांग की जा रही है जबकि पंचकूला के करीबी स्थान पर चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से दस एकड़ जमीन नए विधान भवन के लिए चिन्हित की गई है।

कांग्रेस की मांग की ओर ध्यान दिलाए जाने पर हरविंदर कल्याण ने कहा कि नए विधान भवन के निर्माण के लिए स्थान का चयन सभी के साथ मंथन कर नियम के तहत किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि हरियाणा में 2026में विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन किया जाने वाला है और तब विधानसभा क्षेत्रों की संख्या मौजूदा 90 से बढ़कर 126होने की संभावना है। परिसीमन के बाद मौजूदा विधान भवन में सभी विधायकों की सीटों के लिए स्थान उपलब्ध नहीं होगा। इसलिए 126सीटों के स्थान के साथ नए विधान भवन का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। विधानसभा प्रशासन की मांग पर हरियाणा के जिला मुख्यालय पंचकूला से लगती चंडीगढ़ की दस एकड़ जमीन चिन्हित की गई है।इसके बदले चंडीगढ़ को पंचकूला में बारह एकड़ जमीन हस्तांतरित करना प्रस्तावित किया गया है। इस भूमि आदान प्रदान पर पंजाब के नेताओं ने आपत्ति दर्ज कराई है।पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को ज्ञापन सौंपकर हरियाणा को चंडीगढ़ में विधान भवन बनाने से रोकने की मांग की है।इसी बीच कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मांग की है कि हरियाणा को नए स्थान पर भवन बनाने के बजाय मोजूदा भवन का ही विस्तार करना चाहिए। विधान सभा के शीतकालीन सत्र का समापन मंगलवार को हुआ। पांच दिन के सत्र के समापन पर विधान सभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में बताया कि सत्र की कार्यवाही कुल 26घंटे 19मिनट संचालित की गई।राज्यपाल के अभिभाषण पर पौने बारह घंटे चर्चा हुई।

ध्यानाकर्षण के बीस प्रस्तावों के नोटिस में से सात प्रस्तावों पर चर्चा कराई गई।सत्र के दौरान 13विधेयक पारित किए गए। पहली बार चुनकर आए 40विधायकों में से 34विधायक ,5से 12मिनट बोले। नए सदस्य 230मिनट बोले। सात ध्यानाकर्षण प्रस्ताव नए सदस्यों द्वारा लाए गए।चार नए सदस्यों ने विधेयकों में संशोधन प्रस्तावित किए।उन्होंने कहा कि यह सत्र पिछले करीब 35वर्ष के रिकॉर्ड में बेहतर रहा।उन्होंने कहा कि सुधार की प्रक्रिया जारी रहेगी।भावी योजनाओं के बारे में लोकसभा अध्यक्ष और उप राष्ट्रपति से विचार विमर्श किया गया है।सभी विधायकों और स्टाफ के लिए प्रशिक्षण प्रस्तावित है।

निजी संस्थानों व कॉर्पोरेट कार्यालयों के कर्मचारियों को घर से कार्य करने की सलाह जारी : एडीसी नरेंद्र कुमार

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने वायु गुणवत्ता के दृष्टिगत लागू किए गए ग्रेप-4 चरण की हिदायतों अनुसार जिला में स्थित सभी निजी संस्थानों तथा कॉर्पोरेट कार्यालयों को सलाह दी है कि वे ग्रेप-4 के चरणों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्यालय के कर्मचारियों को आगामी आदेशों तक घर से कार्य करने के लिए निर्देशित करें ताकि इस क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता को सुधारने में मदद मिले। उन्होंने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा वायु गुणवत्ता को और अधिक खराब होने से बचाने के लिए ग्रेप-4 चरण लागू किया गया है। इसके तहत सार्वजनिक कार्यालयों, नगर निकाय कार्यालयों तथा निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत स्टाफ के काम करने तथा अन्य कर्मचारियों के घर से कार्य करने बारे निर्णय लेने के लिए सलाह दी गई है। इसी के दृष्टिगत उपरोक्त संस्थानों को सलाह जारी की गई है।

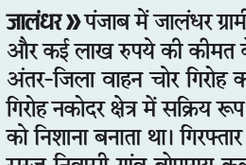

वायु गुणवत्ता में गिरावट के दृष्टिगत जारी की गई है सलाह

जालंधर में अंतर-जिला वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी

जालंधर » पंजाब में जालंधर ग्रामीण पुलिस ने तीन आरोपियों की गिरफ्तारी और कई लाख रुपये की कीमत के सात वाहनों की बरामदगी के साथ एक अंतर-जिला वाहन चोर गिरोह का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह नकोदर क्षेत्र में सक्रिय रूप से काम कर रहा था और दोपहिया वाहनों को निशाना बनाता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील कुमार उर्फ सूरज निवासी गांव बोपाराय कलां नकोदर, जसकरण उर्फ टिड्डा निवासी चक कलां और गुरप्रीत सिंह उर्फ केशी निवासी गांव बोपाराय कलां नकोदर के रूप में हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरकमलप्रीत सिंह खख ने बुधवार को कहा कि वाहन चोरों की गतिविधि के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद उनकी प्रत्यक्ष निगरानी में एक विशेष अभियान चलाया गया। एसएसपी खख ने कहा कि गिरोह के काम करने के तरीके में वाहनों को चुराना और उन्हें विभिन्न जिलों में भारी छूट पर बेचना शामिल था। इस बरामदगी ने क्षेत्र में वाहन चोरी के नेटवर्क को एक बड़ा झटका दिया है। उन्होंने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 18 नवंबर, 2024 को शंकर ब्रिज पर एक विशेष चेकिंग प्वाइंट स्थापित किया। टीम ने चोरी की गाड़ियों के साथ दो आरोपियों को पकड़ा और गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ के बाद, तीसरे आरोपी को पकड़ा गया, जिसके बाद सात मोटरसाइकिल बरामद हुये। आरोपियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन नकोदर सिटी में बीएनएस धारा 303(2), 317(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एल.पी.एस. बोसार्ड कंपनी में स्वच्छ रक्तदान शिविर पी.जी.आई से आई डाक्टरों की टीम के सहयोग से लगाया गया

रोहतक । एल.पी.एस. बोसार्ड. के द्वारा आयोजित खड़ावड़ पर स्थित एल.पी.एस. बोसार्ड कंपनी में में स्वच्छ रक्तदान शिविर पी.जी.आई से आई डाक्टरोंकी टीम के सहयोग से लगाया गया।

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » शिविर में 150 लोगों ने रजिस्टैऊशन करवाया व 108 लोगों ने अपना रक्तदान किया। जिसमें छात्राओं ने भी रक्तदान किया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया रक्तदान शिविर की अध्यक्षता एल.पी.एस. बोसार्ड के एम.डी. राजेश जैन, गरीमय उपस्थिति डा. लवलीन कौर, बी.पी. जैन स्कील डेवलोपमेंट की डायरेक्टर स्मृद्धि जैन, डा. ताशी नरूला व शिल्पा ने फिता काटकर स्वच्छ रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। रक्तदान शिविर में ज्यादातर युवाओं, युवतियां का विशेष सहयोग रहा। शिविर में डाक्टरों की टीम ने 108 यूनिट रक्त इक्ट्ठा किया। सभी अतिथियों व सदस्यों द्वारा रक्तदाताओं को गिफ्ट भेंट किये गये व बैज लगाकर, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। रिफरैशमैंट केला, सेब, जूस पानी आदि दिया। राजेश जैन ने कहा हमारे जीवन का एक एक पल अमूल्य है। अच्छी सोच, अच्छी भावना, अच्छा विचार, अच्छे संस्कार मनुष्य को महान बनाता है। उन्होंने कहा कई तरह के दान में एक रक्तदान है। रक्तदान करना एक पुन्य का कार्य है। हमारे द्वारा दी गई रक्त की एक एक बूंद किसी का जीवन बचा सकती है एक बार दिया गया रक्त तीन जिंदगियों का बचाता है इसलिए हमें हर तीन महीने बाद रक्त जरूर दान करना चाहिए। रक्तदान शिविर में राजीव जैन, सन्नी निझावन, नेहा महेन्दीरता, प्रीति, डिम्पल, हिमांशु, मीनाक्षी, मनोज, दिप्ती, निधि, रोमा, रत्न प्रिया व शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

आईजीयू के प्रबंधन विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

एजेंसी

चंडीगढ़ » इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (आईजीयू) मीरपुर, रेवाड़ी के प्रबंधन विभाग ने बुधवार को एमबीए छात्रों के लिये 'बॉडी लैंग्वेज' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. दिव्या, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से एवं मुख्य अतिथि डॉ. विपुल यादव, परीक्षा नियंत्रक, आईजीयू रहे। डॉ यादव ने छात्रों को हमारे जीवन में शारीरिक हाव-भाव और उसके महत्व के बारे में संबोधित किया। डॉ. दिव्या ने सत्र की शुरुआत लोगों के जीवन में संचार और शारीरिक भाषाओं के महत्व पर विस्तृत जानकारी के साथ की। उन्होंने बताया कि भावभंगिमा किसी व्यक्ति के आत्मविश्वास और समग्र स्वरूप को कैसे प्रभावित करती है। उन्होंने छात्रों को कौशल, गैर-मौखिक संचार के बारे में जानकारी दी।

बाल महोत्सव 2024 मे हरे कृष्णा इंटरनेशनल स्कूल ने दिखाया दम, जीते पुरस्कार

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » जिला स्तरीय बाल महोत्सव 2024 जो कि पानीपत के बाल भवन में 14 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक चला। जिसमें विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें समालखा स्थित हरे कृष्णा इंटरनेशनल के बच्चों द्वारा ग्रुप डांस प्रतियोगिता जूनियर और सीनियर ने भाग लिया। यह जूनियर प्रतियोगिता 14 अक्टूबर को हुई थी। जिसमें 20 से 30 स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया।

इस जूनियर ग्रुप डांस प्रतियोगिता में हरे कृष्णा इंटरनेशनल स्कूल के द्वारा दूसरा पुरस्कार जीता गया। वहीं 22 अक्टूबर को सीनियर ग्रुप डांस प्रतियोगिता में 40 से 50 स्कूल के बच्चों ने भाग लिया जिसमें हमारे स्कूल के द्वारा ग्रुप डांस प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीत गया। ग्रुप डांस प्रतियोगिता में स्कूल के बच्चों द्वारा दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीतने पर हरे कृष्णा इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक सुभाष वर्मा एवं प्रधानाचार्य पुष्प ठाकुर ने कहा की बच्चों को अध्ययन के साथ-साथ हर एक्टिविटी में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के लिए इन्होंने बच्चों पर खूब मेहनत की और बच्चों ने भी अपने टीचर प्रदीप प्रे के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं अगर प्रतियोगिता की बात की जाए तो कोई हारता है कोई जीतता है। बाल महोत्सव में चली इस प्रतियोगिता में 100 से ज्यादा स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया।

ग्रेप पाबंदियों के उल्लंघन की शिकायतों के संदर्भ में जिला प्रदूषण नियंत्रण कक्ष स्थापित : उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा

नियंत्रण कक्ष में शिफ्टों में तैनात किए गए अधिकारी व कर्मचारी

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा है कि ग्रेप पाबंदियों के उल्लंघन की शिकायत दर्ज करने तथा संबंधित शिकायतों के निपटारे के लिए स्थानीय लघु सचिवालय के प्रथम तल पर स्थित बाढ़ राहत शाखा के कमरा संख्या 102 में जिला मुख्यालय पर जिला प्रदूषण नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जिला प्रदूषण नियंत्रण कक्ष में अधिकारियों की तैनाती की गई है, जो प्राप्त होने वाले संदेश, शिकायतों को संबंधित विभाग तक पहुंचाएंगे। जिला प्रदूषण नियंत्रण कक्ष का दूरभाष 01262-230401 है।

डयूटी में किसी प्रकार की कोताही को गंभीरता से लिया जाएगा। व्हाट्सएप के लिए मोबाइल नंबर 85263-11000 है। उपायुक्त द्वारा आगामी 30 नवंबर तक जिला प्रदूषण नियंत्रण कक्ष के लिए अधिकारियों की ड्यूटी जारी की गई है। जारी आदेशों के तहत 20 नवंबर को डीएफएससी कार्यालय के लेखाकार सुरेंद्र सिंह व सहायक बलविंदर सिंह, ऑडिटर भगवान व ऑडिटर सुरेंद्र मलिक, 21 नवंबर को ऑडिटर राकेश कुमार व निरीक्षक हरिओम सैनी तथा निरीक्षक आनंद स्वरूप व सत्यवान, 22 नवंबर को निरीक्षक प्रमोद लाठर व पवन धनखड़, निरीक्षक अनिल हुड्डा व रविंद्र कुमार, 23 नवंबर को निरीक्षक सुनीता वर्मा एवं गीता तथा उप निरीक्षक सलेंदर व टिंकू, उप निरीक्षक हरदेव सिंह व लिपिक योगेश तथा 24 नवंबर को उप निरीक्षक मनिंदर व देवेंद्र हुड्डा तथा उप निरीक्षक नवीन कुमार व नरेश कुमार की ड्यूटी लगाई गई है।उपायुक्त द्वारा जारी आदेश के तहत 24 नवंबर को नगर निगम के बेलदार शिव कुमार व रविंद्र कुमार, 25 नवंबर को डीएफएससी कार्यालय के स्टैनो मोहित व लिपिक नवीन, लिपिक गौरव व अमित राठी, 26 नवंबर को नगर निगम के बेलदार व प्रदीप कुमार व डीएफएससी कार्यालय के लिपिक विनय कुमार तथा नगर निगम के लिपिक हरिश व बेलदार सुरेश कुमार, 27 नवंबर को नगर निगम के लिपिक विशाल कुमार व बेलदार रामफूल एवं लिपिक राहुल व बेलदार सतीश गर्ग, 28 नवंबर को नगर निगम के बेलदार विनय व सुरेश कुमार, डीईटीसी बिक्रीकर के टीआई महेश कुमार व विजय कुमार, 29 नवंबर को डीईटीसी सैलटैक्स के टीआई राजेंद्र बूरा व संजीव कुमार तथा सहायक प्रीति व लिपिक रेनू, 30 नवंबर को डीईटीसी सैलटैक्स के टीआई सुधीर कुमार व विकास तथा टीआई वीरेंद्र कुमार व वीरपाल एवं टीआई विकास तथा सहायक धर्मजीत की ड्यूटी लगाई गई है।

हैल्पेज ऑर्फन्स व रोटरी पानीपत साउथ ने सयुंक्त रूप से किया भारतीय सेना के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » बुधवार को जिला एवं सत्र न्यायालय के जिला बार एसोसिएशन हॉल में हैल्पेज ऑर्फन्स व रोटरी पानीपत साउथ ने सयुंक्त रूप से भारतीय सेना के लिए 16वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस रक्तदान शिविर में 160 लोगों ने रक्तदान किया। यह रक्त सीमा पर तैनात भारतीय सेना के कर्मियों व उनके परिवारों के लिए जरुरत के समय में काम आएगा।

हैल्पेज ऑर्फन्स के संस्थापक मनन सिंगल व रोटरी पानीपत साउथ के प्रधान अश्वनी शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि इस रक्तदान शिविर का आयोजन विशेष रूप से भारतीय सेना के कर्मियों व उनके परिवारों के लिए किया गया है। इस रक्तदान शिविर में दिल्ली कैंट से सेना ब्लड बैंक व जिला रेड क्रॉस ब्लड बैंक ने भाग लिया।इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मीनू सिंह की अध्यक्षता में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुदेश कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता संजय अग्रवाल व मेघराज गुप्ता विशिष्ठ अतिथिगण के रूप में उपस्थित रहे। हैल्पेज ऑर्फन्स से मनन सिंगल, गगन दीप सिंघ, अर्जुन काठपाल, डॉ. दीप्ति जैन, गवीश त्रेहन, जतिन वर्मा, नीतू जैन, आशीष गर्ग, अधिवक्ता वैभव देशवाल, वेदिका गुलाटी, सनव गाँधी, नव्या गर्ग, युवराज चुघ, मनदीप कौर, दिव्या पोपली, टीआ जैन, वरुण राज, मोहित मेहंदीरत्ता व रोटरी पानीपत साउथ से अश्वनी शर्मा, पंकज घुलिआनी, अजय मलिक, नवनीत गोयल, गगन कटारिया, अजय बत्रा, संजीव भाटिया, आशीष मेहता व प्रितपाल सिंह व अन्य मुख्य रूप से मोजूद रहे।

मॉडल टाउन स्थित मैक्स मेड सेंटर मे मैक्स अस्पताल ने किया सीओपीडी पर जागरूकता सत्र का आयोजन

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » बुधवार को विश्व सीओपीडी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल शालीमार बाग के डॉक्टरों ने आज एक जन-जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस सत्र में क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) की समय पर पहचान, इसके प्रभावी प्रबंधन और संभावित रोकथाम के उपायों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर उपस्थित शालीमार बाग स्थित मैक्स सुपर अस्पताल के पल्मोनोलॉजी और स्लीप मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ निदेशक डॉ. इंदर मोहन चुघ ने बताया कि सीओपीडी जो कि एक सामान्य रोकथाम योग्य और उपचार योग्य पुरानी फेफड़ों की बीमारी है, विश्व स्तर पर मृत्यु के चौथे सबसे बड़े कारणों में से एक है।

डॉ. इंदर मोहन चुघ ने कहा कि क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) का समय पर इलाज अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक प्रगतिशील बीमारी है, जो वायु प्रवाह को बाधित करती है और सांस लेने में कठिनाई व पुरानी खांसी जैसे लक्षण पैदा करती है। समय पर उपचार, जीवनशैली में बदलाव, दवाएं और पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन से सीओपीडी के दैनिक जीवन पर प्रभाव को कम किया जा सकता है और श्वसन संक्रमण, हृदय संबंधी समस्याओं और यहां तक कि फेफड़ों के कैंसर जैसे जटिलताओं के जोखिम को भी कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सीओपीडी में क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस (जिसमें वायुमार्ग में सूजन और अत्यधिक बलगम उत्पादन होता है) और एम्फिसीमा (फेफड़ों की वायु थैलियों को नुकसान पहुंचता है, जिससे उनकी लोच कम हो जाती है) शामिल हैं। इसके लक्षणों में सांस फूलना, पुरानी खांसी, घरघराहट, सीने में जकड़न और थकान शामिल हैं।

डॉ. चुघ ने यह भी बताया कि सर्दियों में सीओपीडी के लक्षण अधिक गंभीर हो जाते हैं क्योंकि ठंडी हवा वायुमार्ग को संकीर्ण कर देती है, बलगम का उत्पादन बढ़ जाता है और फ्लू व निमोनिया जैसी श्वसन संक्रमणों का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, बाहरी गतिविधियों में कमी, वायु प्रदूषण में वृद्धि और धुआं व धूल जैसे इनडोर प्रदूषकों के संपर्क में आने से लक्षण और बिगड़ सकते हैं। इसलिए, सीओपीडी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए सर्दियों में अपनी स्थिति का प्रभावी प्रबंधन करना बेहद जरूरी है। आपको बता दें कि शालीमार बाग दिल्ली स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल अत्याधुनिक तकनीक, विशेष क्लीनिकल दृष्टिकोण और बेहतरीन डायग्नोस्टिक क्षमताओं के साथ, विभिन्न श्वसन रोगों के उपचार के लिए पूरी तरह सक्षम है।

संजीव को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा रोहतक का जिला सचिव नियुक्त किया

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » संगठन व भारतीय जनता पार्टी के प्रति योगदान को देखते हुए संजीव को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा रोहतक का जिला सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा और जिला अध्यक्ष रोहतक रणबीर ढाका की सहमति से रोहतक युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक नागपाल द्वारा की गई। इस अवसर पर संजीव ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है वे उसका पूरी निष्ठा व लग्र के साथ निर्वाह करेगें साथ ही पार्टी को मजबूत करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगें। उनके साथ लोकेश वर्मा, दिनेश अहलावत, नितेश शर्मा आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अपनी नियुक्ति पर सजीव ने सभी का तहेदिल से अभिनदंन किया।